



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—वर्ष 3—पार्ट-एच (iii)  
PART II—Section 3—Sub-section (iii)

प्राप्तिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 34]

नई दिल्ली, वृहस्पतिवार, मई 12, 1994/वैशाख 22, 1916

NEW DELHI, THURSDAY, MAY 12, 1994/VAISAKHA 22, 1916

भारत निर्वाचन आयोग

अधिसूचना

नई दिल्ली, 12 मई, 1994

आ.प्र. 82(अ).—यत् नोक सभा के लिए साधारण निर्वाचन कराने के प्रयोगन से राष्ट्रपति ने नोक प्रधिविधित प्रधिनियम, 1951 (1951 का 43) की धारा 14 की उपधारा (2) के अधीन जारी और भारत के राजनव, प्रसाधारण भाग—I खण्ड-3 उप धारा (ii) में तारीख 19 अप्रैल, 1991 की प्रकाशित प्रधिसूचना के द्वारा उत्तर प्रदेश राज्य के 80-मेरठ संसदीय निवाचन-क्षेत्र महित सभी संसदीय निर्वाचन-क्षेत्रों (उनको ओडिकर जो जम्मू-कश्मीर राज्य में हैं) में वड़ औद्धार की थी कि वे उक्त सदन के लिए सभी संवाचित करें।

और यत्, निवाचन आयोग ने नोक प्रतिविधित प्रधिनियम, 1951 (1951 का 43) की धारा 30 के प्रधीन 19 अप्रैल, 1991 को जारी अपनी प्रधिसूचना में 464/91(1) के द्वारा इसके साथ-साथ 20 मई, 1991 को गोपी तारीख के स्वप्न में नियत किया जिसको द्वितीय अधिकार द्वारा तो उपर्युक्त 80-मेरठ संसदीय निवाचन क्षेत्र से मनवाना शीघ्र।

और यत्, निवाचन आयोग को प्राप्त राज्य सरकार, राज्य के मुख्य निवाचन अधिकारी, गिरिहा आकिमर व्रेष्टकों की रिपोर्टों पर अधारित मूल्यांकन प्रोर आयोग को उपलब्ध मूल्यांकन के अन्य अर्वेशन

क्षेत्रों में दत्त जानकारी थी कि मनवान के दिन अर्थत् 20 मई, 1991 को वहां पर मनवान केन्द्रों पर काजा करके वृथ इधियाने, मनवान प्राधिकारियों को मनवान के समर्पण करवाने, मनवान केन्द्रों पर जबरदस्ती प्रधिकार जमाने तथा मनवान के लिए आने वाले मनवाताओं की सहज पहुँच को रोकने, निर्वाचकों को धमकाने और उन्हें अपने मनवान के लिए मनवान केन्द्रों में जाने में रोकने जैसी निवाचन-कावाचार की घटनाएँ वहें जाने वालों थीं और जिसके पश्चात्पाल उक्त 80-मेरठ संसदीय निवाचन क्षेत्र में मनवान स्वतंत्र और निष्पक्ष रूप से नहीं हुआ था।

और यत्, आयोग ने संविधान के अनुच्छेद 324, नोक प्रतिविधित प्रधिनियम, 1951 की धारा 58, 58क, 135क और 153 द्वारा प्रदत्त शासिनी और इस ओर इस समर्थ जनाने वाली धन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करने द्वारा अपने ता 21-5-1991 के आवेदन द्वारा उक्त 80-मेरठ संसदीय निवाचन क्षेत्र से निर्वाचित प्रत्यादिष्ट कर दिया था,

और यत्, आयोग के आवेदन 21-5-1991 के उक्त आवेदन को एक निवाचन लड़ने वाले अध्यर्थी श्री अमर दान निह द्वारा 1991 की रिट याचिका मं. 976 से विरो उच्च न्यायालय के समझ प्रयत्नगत किया गया था।

और यत्, निवाचन आयोग ने तारीख 13-5-1993 के अपने निर्णय श्री अवेदन द्वारा पहले निवेदण किया कि 10-5-1991 को प्रियमान निवाचन नामावानों के प्राप्तवार पर समस्त संसदीय निवाचन क्षेत्र में युनिवेन कराया जाए,

और यन् दिनी उच्च न्यायालय के तारीख 13-5-1993 के उपर्युक्त निर्णय और आदेश के विस्तृत क्रमणः निर्वाचन आयोग और उक्त श्री अमरपाल मिह द्वारा उच्चतम न्यायालय के समझ 1993 की मित्रिय अपील संख्या 2911 और 1993 की 4220 की दो प्रति श्रीलं वार्षिक की गई।

और यत् उच्चतम न्यायालय ने तारीख 12-4-1994 के अपने एक ही आवेदण द्वारा उपरोक्त मित्रिय अपीलों का निपटान करते समय निम्न प्रकार से निर्णय दिया—

“पक्षकारों के लिए विदान काउन्सिलों के मध्य हुए समझौते का देखते हुए, कि 394-हम्मिनापुर विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र में नामांकित खण्ड को छोड़कर 80-मेरठ मंसरोवर निर्वाचन क्षेत्र के भीतर विधान सभा विधायक विधायी उम्ही अध्यक्षियों के माध्य पूनर्मन्त्रान करायेगा, आयोग अपेक्षित निर्णय में उड़ने वाले कानून के प्रश्नों को बुला छोड़ते हुए दोनों अपीलों का निपटान दिया जाना है। निर्वाचन उत्तर निर्वाचक नामांकियों के आधार पर पूर्ण किया जायेगा जो उस तारीख को विदान थोंग निर्वाचन आयोग के आदेश अस्वीकृत में आये। भारत निर्वाचन आयोग की रायबाई और निर्वाचन याचिका के माध्यम से उन्हें उपलब्ध किया भी थाय आधार पर निर्वाचित अध्यक्षों के निर्वाचन की प्रस्तगत करने के भी प्रश्न पर अध्यक्षियों के अधिकार अप्रमाणित रहेंगे नहायि, वह, भवितव्य के लिए एक पूर्ण निर्णय गठित नहीं होगा।”

और यत् यह बतानवय में भारत सरकार और उत्तर प्रदेश की राज्य सरकार के परामर्श से आयोग ने यह निर्णय दिया है कि उच्चतम न्यायालय के तारीख 12-1-1991 के उपर्युक्त आदेश के पूनर्मन्त्रण में उक्त 80-मेरठ संघर्षांतर निर्वाचन क्षेत्र के 393-किंटोड़ विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र, 396-मेरठ कैट विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र, 397-मेरठ शहर विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र के लाल विधान सभा खण्डों में 26 मई 1994 की तारीख से शाये गए यत्नों और 394-हम्मिनापुर विधान सभा निर्वाचन खण्ड में पूनर्मन्त्रान 26 मई 1994 को कराया जायेगा।

अतः यद्युच्चतम न्यायालय के तारीख 12-4-1994 के उपर्युक्त आदेश के अनुमत्रण में आयोग एवंद्वारा निम्न जकार से निर्देश देता है—

- उक्त 80-मेरठ संघर्षांतर निर्वाचन क्षेत्र के 393-किंटोड़, विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र, 396-मेरठ कैट विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र, 397-मेरठ शहर विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र में और 394-हम्मिनापुर विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र में पूनर्मन्त्रान 26 मई 1994 की तारीख से मन्त्रान होंगा।
- नये दिन से मन्त्रान 7.00 बजे प्रातः और 5.00 बजे सायंकालीन होंगा।
- नये दिन से मन्त्रान निर्वाचन यज्ञने वाले उनी अध्यक्षियों तक नीमित होगा जिनके नाम अस्वीकृत थायिस दिने के अन्तिम घटी क बाद 27 अप्रैल 1991 को रिटार्न आक्टिवर द्वारा तयार की गई निर्वाचन लड़ने वाले अध्यक्षियों की सूची में मस्तिष्कित किए गए थे।
- नये दिन से मन्त्रान ऊर अग्नि चारों विधान सभा खण्डों की उसी निर्वाचन नामाधीनों के आधार पर होंगा जो मूल मन्त्रान याने दिन प्रार्थत 20-5-1991 की अस्वीकृत में थीं और नये दिन से मन्त्रान के उद्देश्य से उन नामाधीनों में कोई भी परिवर्तन यदि कोई हो, तरीका दिया जाएगा।
- नये दिन से मन्त्रान उनी मन्त्रान केंद्रों पर किया जाएगा जहां मृत मन्त्रान 20-5-1991 को हुआ था। यदि ऐसे किसी मन्त्रान केंद्र पर किमी प्रपत्रियां तार्गती से नये

संघ में मन्त्रान कराना समव नहीं है तो ऐसी विधियां जिन निर्वाचन अधिकारी 17 मई, 1994 तक आयोग के अनुमोदन में, प्रभावित मन्त्रान केंद्र के नाम स्थान र वर्गों में निर्णय लेने।

उक्त 80-मेरठ मंसरोवर निर्वाचन क्षेत्र के निर्वाचन चार परिषाम, रिटार्निंग आफिसर द्वारा 393-किंटोड़ विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र, 396-मेरठ कैट विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र, 397-मेरठ शहर विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र के लाल विधान सभा खण्डों में 26 मई 1994 की तारीख से शाये गए यत्नों और 394-हम्मिनापुर विधान सभा निर्वाचन खण्ड में पहले ही 20-5-1991 को शाये गए यत्नों द्वारा हिसाब में ऐसे हुए प्रक्रियावृत्ति किया जाएगा।

[प. 465/3 प्र/लो. स./०१(३)/११८]  
दृच्छा हीरा, मर्जिव

## ELECTION COMMISSION OF INDIA NOTIFICATION

New Delhi, the 12th May, 1994

O.N. 82(E).—Whereas for the purpose of holding a general election to the House of the People, the President had, by notification issued under sub-section (2) of section 14 of the Representation of the People Act, 1951 (43 of 1951) and published in the Gazette of India, Extraordinary, Part II, Section 3, sub-section (ii), dated 19th April, 1991 called upon all the Parliamentary Constituencies (other than those within the State of Jammu and Kashmir) including 80-Meerut Parliamentary Constituency in the State of Uttar Pradesh, to elect members of the said House;

And whereas, the Election Commission vide its notification No. 464/91(1) dated 19th April, 1991 issued under section 30 of the Representation of the People Act, 1951 (43 of 1951) had inter alia fixed the 20th May, 1991, as the date on which poll shall, if necessary, be taken in the aforesaid 80-Meerut Parliamentary Constituency;

And whereas, the Election Commission received information based on reports of the State Govt., the Chief Electoral Officer of the State, the Returning Officer, the Observers, and other relevant sources of information available to the Commission that on the date of poll i.e. 20th May, 1991, there had been large scale incidents of electoral malpractices involving booth capturing by seizure of polling stations, making polling authorities surrender the ballot papers, taking forcible possession of polling stations and prevention of free access to the voters for the purpose of voting, threatening electors and preventing them from going to the polling stations to cast their vote and that consequently the poll in the aforesaid 80-Meerut Parliamentary Constituency had not been free and fair;

And whereas, the Commission vide its order dated 21-5-1991, in exercise of the powers conferred by Article 324 of the Constitution, section 58, 58A, 135A and 153 of the Representation of the People

act, 1951, and all other powers enabling it in this behalf, countermanded the election from the said 80-Meerut Parliamentary Constituency;

And whereas, the said order dated 21-5-1991 of the Commission was challenged before the High Court of Delhi in Writ Petition No. 1976 of 1991 by one of the contesting candidates, Shri Amar Pal Singh;

And whereas, the High Court of Delhi by its judgement and order dated 13-5-1993 directed a repoll to be taken in the entire Parliamentary Constituency on the basis of the electoral roll which existed on 20-5-1991;

And whereas, two cross appeals bearing civil appeal numbers 2911 of 1993 and 4220 of 1993 were filed before the Supreme Court by the Election Commission and the said Shri Amar Pal Singh, respectively, against the aforementioned judgement and order dated 13-5-1993 of the High Court of Delhi;

And whereas, the Supreme Court, while disposing of the aforementioned civil appeals by its common order dated 12-4-1994 has directed as follows—

“Both the appeals are disposed of while leaving the questions of law arising from the impugned judgement open in view of the agreement reached between learned counsels for the parties that a repoll with the same candidates shall be held as expeditiously as possible in all assembly segments of 80-Meerut Parliamentary Constituency except in the segment covered by 394-Hastinapur Assembly Constituency. The election shall be completed on the basis of electoral rolls as were in existence on the date when the orders of Election Commission came to be made. The rights of candidates to question the action of the Election Commission of India as also to challenge the election of the returned candidate on any of the other grounds available to them through an election petition shall remain unaffected. This will, however, not constitute a precedent for future.”;

And whereas, the Commission has, in consultation with the Govt. of India in the Ministry of Home Affairs and the State Govt. of Uttar Pradesh, decided that in pursuance of the above quoted order dated 12-4-1994 of the Supreme Court the repoll in 393-Kithore Assembly Constituency, 396-Meerut Cantt Assembly Constituency, 397-Meerut City Assembly Constituency and 398-Kharkhoda Assembly Constituency of the said 80-Meerut Parliamentary Constituency shall be taken on the 26th of May, 1994;

Now, therefore, the Commission in pursuance of the above quoted order dated 12-4-1994 of the Supreme Court hereby directs as follows :—

- (1) The fresh poll in 393-Kithore Assembly Constituency, 396-Meerut Cantt Assembly Constituency, 397-Meerut City Assembly Constituency and 398-Kharkhoda Assembly Constituency of the said 80-Meerut Parliamentary Constituency shall be taken on the 26th of May, 1994.
- (2) The fresh poll shall be taken between 7 AM and 5 PM.
- (3) The fresh poll shall be confined to the same contesting candidates whose names were included in the list of contesting candidates prepared by the Returning Officer on 29th April, 1991 after the last hour for the withdrawal of the candidatures.
- (4) The fresh poll shall be taken on the basis of the same electoral rolls of the above-mentioned four Assembly Segments which were in existence on the day of the original poll i.e., 20-5-1991 and no change, whatsoever, shall be made in those rolls for the purpose of the fresh poll.
- (5) The fresh poll shall be taken at the same polling stations at which the original poll was taken on 20-5-1991, unless it is not possible to take the fresh poll at any such polling station for any unavoidable reasons, in which case the new location of the affected polling station shall be decided by the District Election Officer, with the previous approval of the Commission, latest by 17th May, 1994.
- (6) The result of the election for the said 80-Meerut Parliamentary Constituency shall be computed by the Returning Officer by taking into account the votes polled at the fresh poll in the above mentioned assembly segments of 393-Kithore Assembly Constituency, 396-Meerut Cantt Assembly Constituency, 397-Meerut City Assembly Constituency and 398-Kharkhoda Assembly Constituency on 26th May, 1994, and the votes already polled in 394-Hastinapur Assembly Segment on 20-5-1991.

[No. 495/UP-HP/91(3)-4162]

By Order and in the name of  
Election Commission of India.

HARINDER HIRA. Secy.

